

1.12.17 वादी श्री रूपाराम पुत्र लिखमाराय स्वयं प्रथम  
 पत्र वाकत पत्रावली को ल एव आवश्यक दस्तावेज  
 हेतु प्रेष करने पर पत्रावली आप प्रेष हुई।  
 वादी एव प्रतिवादी रावाराय, पुनाराय केराराय  
 पि० लिखमाराय द्वारा उद्युक्त रूप से हस्तप्रद  
 कार प्रार्थना-पत्र वाकत वाड जरीमे राजीनामा  
 डिक्री करने हेतु प्रेष किया गया जिसे शा०  
 सि० किया। प्रार्थना-पत्र राजीनामा में कथन  
 किया है, कि सरहद मौजा मुहा दि-कफरा  
 तहसील खालेद के खलम नम्बर 347  
 399, 435, 436, 437, 670/435, 672/436,  
 674/437, 671/435, 673/436, 675/437,  
 676/437 में हक रिक्री की शर्त के लिए  
 वादी द्वारा दावा वाकत खालेदारी घोषणा  
 एव खालेद रिठेपाठा कृतज्ञित द्वारा 88.188  
 R.T. Act का प्रेष किया है, जो विचाराधीन  
 है। हम प्रशासक के बीच में लोक  
 कमानत की भावना ले प्रेरित होकर  
 आपल में राजीनामा के जरीमे दावा  
 डिक्री करवाना चाहते हैं। खलम नम्बर  
 399 की काराजी वादी रूपाराम के  
 खालेदारी घोषित किया जावे तथा ख०  
 नं० 347 की काराजी प्रतिवादी रावाराय, 1.12.  
 केराराय, पुनाराय के खालेदारी घोषित  
 किया जावे। शि० खलम नम्बर 435,  
 436, 437 के बह्य नम्बर की काराजी  
 प्रतिवादी

11/3

सूचना

सूचना

सूचना

फा नो टैरी द्वारा तस्दीक शुदा जेस हें। अतः  
जिसे राजीनामा दावा डिस्क्रिप्शन के। राजीनामा  
पर उपस्थित पक्षकारान् को पढकर सुनाया  
जाकर वाड तस्दीक शामिल मिसल किमागदा।  
और कोई नई बात नही कही।

हमने सम्पूर्ण पत्रावली का अध्ययन  
किया। जिसके अनुसार वादी एक प्रतिवादी  
हैं। से 3 सगे भाई हैं तथा लिखमाराज के  
पुत्र भी हैं। वाड प्राप्त काराजी सम्पूर्ण पैसक  
छुट्टैनी होने से चारो पुत्रो का समान रूप  
से एक हिस्सा बनता है। पक्षकारान् द्वारा  
सम्पूर्ण आराजी में से  $\frac{1}{4}$  हिस्सा के बदले में  
पृथक से खसम नम्बर 399 रुका 1.46 रुका  
वादी ने लेना व प्रतिवादीगण ने देना स्वीकार  
किया है। जिसके आधार पर दावा वादी  
डिस्क्रिप्शन के जाने योग्य है।

अतः दावा वादी डिस्क्रिप्शन जाकर  
मौजा शुदा इन्डिया तहसील आदोर के खसम  
नम्बर 399 रुका 1.46 रुका का वादी  
रुपाराज पुत्र लिखमाराज जाति मारु कुम्हार  
निवासी शुदा इन्डिया के खातेदार के प्रति  
किया जाता है। एक खसम नं 347 में से वादी  
रुपाराज का नाम विलोपित करते हुए प्रतिवादी  
रावाराज, पुनाराज, केराराज पिठ लिखमाराज को  
यथावत रखा जाता है। तहसील रूप आदोर  
राजख रेकर्ड में अमल दराजद करे। डिस्क्रि  
प्शन मुर्तिव हो। पत्रावली फैसल शुमार  
होकर नम्बर ले कर के।

निष्पत्ति से उक्त दावा